भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2170

02 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन की स्थिति

2170. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस्पात उत्पादन की वर्तमान स्थिति क्या है और विगत वर्षों के कार्य-निष्पादन से इसकी किस प्रकार तुलना की जा रही है;

(ख) क्या सरकार द्वारा देश में उत्पादन और उपभोग बढ़ाने के लिए इस्पात उद्योग से ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश पर ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह करने के लिए कदम उठाए गए हैं; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क): विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान क्रूड इस्पात के उत्पादन के आंकड़े विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में परिवर्तन की प्रतिशतता के साथ नीचे दिए गए हैं:-

वर्ष	क्रूड इस्पात उत्पादन	
	मात्रा (एमटी)	% परिवर्तन
2020-21	103.54	-
2021-22	120.29	16.2
2022-23	127.20	5.7
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति; एमटी=मिलियन टन		

(ख) और (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और देश में उत्पादन और खपत को बढ़ाने के लिए निवेश संबंधी निर्णय, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश भी शामिल है, इस्पात कंपनियों द्वारा बाजार की गतिशीलता के आधार पर लिए जाते हैं। तथापि, इस्पात मंत्रालय देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने हेतु भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ अन्य संबद्ध हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क में है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-जी) के अंतर्गत इस्पात आधारित घरों तथा आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण हेतु एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया है। इसके अलावा, इस्पात मंत्रालय ने ग्रामीण मेलों, प्रदर्शनियों और मेलों के आयोजन में राज्य सरकार के साथ सहयोग किया है और इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मंत्रालय के अंतर्गत सीपीएसई को प्रोत्साहित किया है। इसके अलावा, इस्पात मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में संवर्धित उत्पादन और खपत पर केन्द्रित विभिन्न कार्यक्रमों में लोगो सहायता भी प्रदान किया है। इस्पात सीपीएसई अर्थात् स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने ग्रामीण वितरकों को नियुक्त किया है और इस्पात के उपयोग के लाभ के बारे में ग्रामीण भारत को शिक्षित करने के उद्देश्य से विशेष रूप से चलाए जा रहे विभिन्न प्रचार गतिविधियों में भी शामिल हैं।

****